हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 15 दिसंबर 2025

तापमान

अधिकतम 26 .5 डिग्री
न्यूनतम 6 .6 डिग्री

12 पिता के किले में नहीं लगने देंगी सेंध, 'कमजोरी' दूर करने पर जोर, समूचे अहीरवाल पर आरती का फोकस

12 भाड़ावास गेट के पास सड़क निर्माण कार्य की खुदाई ने तोड़ी पाइप लाइन, खुले में बह रहा हजारों लीटर पानी

खबर संक्षेप

सड़क हादसों के आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने सड़क हादसों के बाद फरार दो वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। थाना खोल पुलिस ने सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत के बाद 30 अक्टूबर को केस दर्ज किया था। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने उज्जैन के वर्धमान नगर निवासी मोहित नायक को गिरफ्तार किया है। थाना रोहड़ाई पुलिस ने 1 दिसंबर को हुए सड़क हादसे के बाद दर्ज मामले में खोरी निवासी हेमंत को गिरफ्तार किया है। हादसे में प्रयुक्त बाइक पुलिस ने कब्जे में ले ही है।

अवैध शराब बेचने का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। माडल टाउन थाना पुलिस ने ढालियावास में अवैध रूप से शराब बेचने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि ढालियावास निवासी जयपाल अवैध रूप से शराब की बिक्री करता है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर आरोपी को काबू कर लिया। उसके कब्जे से पुलिस ने अवैध शराब के 124 पव्वे शराब बरामद हुई। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने के बाद एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया।

मारपीट मामले में दो आरोपी काबू किया

कुंड। पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर गत अगस्त को आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित का सामान्य अस्पताल से मेडिकल हुआ था। पुलिस ने इस मामले में जांच के बाद राजस्थान के अलवर जिले के बीरनवास निवासी विनोद और बंसीलाल को गिरफ्तार कर लिया।

दहेज प्रताड़ना के मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज प्रताड़ना के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस शिकायत में एक गांव निवासी विवाहिता ने ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज के लिए परेशान करने और दहेज नहीं लाने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने के प्रयास किए थे, परंतु सहमति नहीं बनी। पुलिस ने 2 दिसंबर को आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के भरतपुर निवासी अनिल को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस बेल पर रिहा कर दिया।

सट्टा खाईवाली करने का आरोपी पकड़ा

रेवाड़ी। रामपुरा थाना पुलिस ने सट्टा खाईवाली करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि विकास नगर में रह रहा मूल रूप से यूपी निवासी सतीश चंद्र नंबर लगाकर सट्टा खिला रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने बोगस ग्राहक बनाकर उसके पास भेज दिया। सट्टे का नंबर लगाते ही पुलिस ने उसे मौके पर काबू कर लिया।

फ्लैट मालिक ने पुलिस को दर्ज कराई शिकायत, आरोपियों की पहचान करने में जुटी पुलिस

गुरूटेक सोसायटी में घुसे सशस्त्र बदमाश, लोगों की नींद खुलने के बाद भागे, सीसीटीवी में हो गए पांचों कैद

पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों का पता लगाने के प्रयास कर रही
इस घटना ने सोसायटी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा दिए

रेवाड़ी। गुरूटेक सोसायटी के फ्लैटों में घुसे बदमाश।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

गुरूटेक सोसायटी में पांच नकाबपोश सशस्त्र बदमाश घुसने का मामला सामने आया है। एक फ्लैट का दरवाजा भी तोड़ दिया, लेकिन सोसायटी के लोगों की नींद खुलने के बाद आरोपी वहां से भाग गए। सोसायटी के घरों में लगे सीसीटीवी कैमरों में पांचों आरोपी नजर आ रहे हैं। थाना कसोला पुलिस को शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों का पता लगाने के प्रयास कर रही है। इस घटना ने सोसायटी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। यह घटना बीते शनिवार तड़के की है। पांच चेहरे पर मास्क लगाए हुए सशस्त्र बदमाश सोसायटी में प्रवेश करने के बाद फ्लैट नंबर 170-जीएफ तक पहुंच गए। इसके बाद बदमाशों ने फ्लैट का दरवाजा तोड़ दिया। आवाज सुनकर सोसायटी के लोग उठ गए। बदमाश लोगों की नींद खुलते ही फ्लैट की सीढ़ियों से उतरकर दीवार फांदकर फरार हो गए। सीसीटीवी कैमरों में दर्ज हुई वारदात के अनुसार बदमाश फ्लैट नंबर 182 जीएफ तक भी पहुंच गए। वहां लगे सीसीटीवी कैमरे देखने के बाद वापस चले गए। इससे पूर्व बदमाशों ने आराम से घूमकर कई फ्लैटों का जायजा लिया, ताकि वह वारदात को अंजाम दे सकें। बदमाशों के निकल जाने के बाद सोसायटी लोग एकत्रित हो गए। उन्होंने अपने स्तर बदमाशों का पता लगाने का प्रयास किया, परंतु सफलता नहीं मिली। सोसायटी के लोग एकत्रित होकर थाना कसोला पहुंचे। इसके बाद फ्लैट मालिक डा. आनंद ने कसोला पुलिस थाने को शिकायत दर्ज कराई। इस घटना के बाद सोसायटी के लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। लोगों का कहना है कि जब हथियारबंद बदमाश बेखौफ होकर फ्लैटों तक पहुंच सकते हैं, तो वह किसी भी बड़ी वारदात को अंजाम भी दे सकते हैं। ऐसे में सोसायटी की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने की जरूरत है।

रेवाड़ी। गुरूटेक सोसायटी के फ्लैटों में घुसे बदमाश। फोटो :हरिभूमि

कई फ्लैटों का लिया बदमाशों ने जायजा

आरडब्ल्यू प्रबंधन ने घटना की सूचना मिलने के बाद सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की तो बदमाश कई फ्लैटों का मुआयना करते हुए नजर आए। हथियार होने के कारण वह किसी बड़ी वारदात को भी अंजाम दे सकते थे, परंतु सुबह के समय लोगों की नींद खुल जाने के कारण वह अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सके। सोसायटी के लोगों ने आरडब्ल्यू मैनेजमेंट के प्रति भी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने आरोप लगाया कि सूचना के बाद तुरंत कोई एक्शन नहीं लिया गया।

फुटेज का किया जा रहा अवलोकन

सोसायटी में बदमाशों के घुसने की शिकायत मिली है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज का आवलोकन कर रही है। इसके आधार पर आरोपियों का पता लगाने के प्रयास शुरू किए गए हैं। सोसायटी के लोगों की शिकायत पर एफआरआर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस एरिया में रात्रि गश्त भी बढ़ाई जा रही है।
-सतीश कुमार, एसएचओ, कसोला।

आरडब्ल्यू से ठोस कदम उठाने की मांग

सोसायटी की सुरक्षा को लेकर यहां के निवासियों ने आरडब्ल्यूए से ठोस कार्रवाई की मांग भी की है। आरोप है कि सोसायटी निवासियों ने घटना के तुरंत बाद ही प्रधान को फोन पर सूचना दी थी, परंतु वह तुरंत मौके पर नहीं पहुंचे। हालांकि बाद में प्रधान प्रशांत ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक कराई। साथ ही सुरक्षाकर्मियों को भी कड़े निर्देश दिए गए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं नहीं हों।

प्रबंधन विभाग की शोधार्थी पूजा को मिली पीएचडी की उपाधि

हरिभूमि न्यूज ⏭ मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग की शोधार्थी पूजा यादव ने 'पैरासोशल रिलेशनशिप के पूर्ववर्ती कारण एवं ग्राहक संतुष्टि पर इसका प्रभाव' विषय पर अपना शोध पूर्ण करते हुए पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने अपना शोध कार्य प्रबंधन विभाग की सहायक प्रोफेसर डा. भारती के मार्गदर्शन में संपन्न किया। पूजा यादव ने शोध में यह अध्ययन किया कि डिजिटल युग में उपभोक्ताओं और एलेक्सा, गूगल असिस्टेंट और सीरी जैसे वॉयस असिस्टेंट के बीच बनने वाले पैरासोशल रिलेशनशिप के प्रमुख पूर्ववर्ती कारक क्या हैं और यह एकतरफा संबंध ग्राहक विश्वास, निष्ठा और संतुष्टि पर किस प्रकार प्रभाव डालता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी ने पूजा यादव को उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि उनका शोध प्रबंधन और कृत्रिम बुद्धिमता क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान है और डिजिटल उपभोक्ता व्यवहार की नई दिशाओं को उजागर करता है। पूजा यादव ने अपने मार्गदर्शक डा. भारती, विभागीय संकाय एवं विश्वविद्यालय प्रशासन को सहयोग के लिए धन्यवाद किया।

रेवाड़ी। पूजा यादव कुलपति व स्टाफ के साथ।

बुजुर्गों की प्रतिमाओं से मिलती है प्रेरणा: राव इंद्रजीत सिंह

रेवाड़ी। कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते राव इन्द्रजीत सिंह, बाम्बड़ में कूड़ियाराम की मूर्ति का अनावरण करते राव इन्द्रजीत सिंह।

■ केंद्रीय मंत्री ने किया बाम्बड़ में कूड़ियाराम की मूर्ति का अनावरण, युवा नेता प्रदीप बाम्बड़ ने कार्यक्रम में जुटाई भारी भीड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि बुजुर्गों की प्रतिमाएं हमारे लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत बनी रहती हैं। मूर्ति की स्थापना कराना अपने बुजुर्गों का मान-सम्मान बढ़ाना है। हम सभी को अपने पूर्वजों को याद रखते हुए उनके सम्मान में ऐसे कार्य करने चाहिए। राव रविवार को बाम्बड़ गांव में समाजसेवी कूड़ियाराम की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद वहां मौजूद लोगों को संबोधित कर रहे थे। युवा नेता और ब्लॉक समिति के वाइस चेयरमैन प्रदीप बाम्बड़ ने कार्यक्रम में भारी भीड़ जुटाकर इसे रैली का रूप देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। कार्यक्रम के संयोजक एवं कूड़ियाराम यादव के पुत्र सरपंच प्रतिनिधि धर्मबीर गबरू, हरीश यादव, रेवाड़ी ब्लॉक समिति के वाइस चेयरमैन प्रदीप बाम्बड़ और उनके परिवार की सराहना करते हुए कहा कि मूर्ति स्थापित करके अपने पूर्वजों का मान-सम्मान बढ़ाने का नेक कार्य किया है। इससे समाज के दूसरे लोगों को भी बुजुर्गों के मान-सम्मान की प्रेरणा मिलती रहेगी। केंद्र और प्रदेश सरकार विकास के पहिए को तेजी से घूमा रही हैं। यह जिला भी अब विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। युवाओं को रोजगार मुहैया कराने के साथ-साथ नेशनल हाइवे, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं सहित सभी क्षेत्रों में यह जिला आगे बढ़ रहा है। जिले में विभिन्न तरह की संस्थाएं स्थापित होने से लोगों को इनका लाभ मिल रहा है। आज रेवाड़ी का देश-विदेश में डंका बज रहा है। इस अवसर पर ग्रामीणों की ओर रखी गई मांगों को भी उचित कार्रवाई करते हुए पूरा करने का आश्वासन दिया।

केंद्र से आरआरटीएस की मंजूरी जल्द

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्रीय कैबिनेट से जल्द ही आरआरटीएस की मंजूरी मिलने जा रही है। आरआरटीएस के निर्माण के बाद रेवाड़ी व बाबल की सूरत तेजी से बदलेगी। केंद्रीय मंत्री का गांव में पहुंचने पर ढोल नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ से काफी खुश नजर आए राव इंद्रजीत सिंह ने गांव में सड़क निर्माण के लिए सांसद कोष से 11 लाख रुपये देने की घोषणा भी की।

तेजी से हो रहा क्षेत्र का विकास

विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व और केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के प्रयासों से जिले का चहुंमुखी विकास हो रहा है। एक्स का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। आने वाले दिनों में रेपिड मेट्रो का कार्य भी जल्द शुरू हो जाएगा। उन्होंने मूर्ति स्थापित करने के लिए सरपंच प्रतिनिधि धर्मबीर गबरू, हरीश यादव, राहुल यादव और प्रदीप बाम्बड़ सहित पूरे परिवार की सराहना की।

यह रहे कार्यक्रम में मौजूद

कार्यक्रम में मुख्य रूप से इंसाफ मंच के आजीवन सदस्य व भाजपा नेता अनिल रायपुर, सरपंच प्रवीन चौधरी, रामसिंह, मनोज, टिंकू चेयरमैन इस अवसर पर एसडीएम सुरेश कुमार, डीएसपी सुरेंद्र श्योराण, चेयरमैन कंवर सिंह, अनिल रायपुर, सरपंच प्रवीन चौधरी, कार्तिक, रामसिंह, राहुल और मनोज सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बादल यादव का हुआ भव्य स्वागत

रेवाड़ी। शहर के यादव नगर निवासी व मूलरूप से गांव कुंभावास से ताल्लुक रखने वाले बादल यादव का भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनने के बाद पहली बार गृह नगर पहुंचने पर स्वागत किया गया। बूढ़पुर रोड स्थित कंकर वाली बगीची स्थित शिव मंदिर से बादल यादव को गाड़ी में सवार कर डीजे पर नांचते-गाते घर तक जुलूस के रूप में ले जाया गया। बादल की माता संतोष यादव ने कहा कि उन्हें अपने बेटे पर गर्व है। उन्होंने युवाओं को शिक्षा पर ध्यान देने और नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने का संदेश दिया। बादल के पिता अशोक यादव सेना से सेवानिवृत्त कैप्टन हैं। उनका परिवार तीन पीढ़ियों से सेना से जुड़ा रहा है। बादल यादव ने प्रशिक्षण के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी से कमांडेंट रजत पदक प्राप्त किया। वे अब भारतीय सेना की इंजीनियर रेजीमेंट में अपनी सेवाएं देंगे।

रेवाड़ी। बादल यादव का स्वागत करते हुए परिजन व ग्रामीण।

पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया

अपनी प्रारंभिक शिक्षा सैनिक स्कूल रेवाड़ी से प्राप्त की और पहले ही प्रयास में एनडीए की परीक्षा उत्तीर्ण कर परिवार, पैतृक गांव कुंभावास और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया। इस मौके पर नरेंद्र यादव, वेद प्रकाश, सुभाष यादव, हिमांशु यादव, मलखान सिंह, सुनील, आयुष, रोहतास नंबरदार, रायसिंह गोकलगढ़ व हेमंत कुमार सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

कॉलेज गई छात्रा का नहीं लगा सुराग

कोसली। क्षेत्र के एक गांव से कॉलेज जाने की कहकर गई छात्रा वापस घर नहीं आई। लापता छात्रा के पिता ने कोसली पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी 19 वर्षीय लड़की शुक्रवार प्रातः कोसली स्थित कॉलेज में जाने की कहकर गई थी, लेकिन वह शाम तक वापस घर नहीं पहुंची। उन्होंने अपने स्तर पर उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल पाया। पिता ने पटौदी निवासी एक लड़के पर उनकी बेटी को छिपाकर रखने का संदेह जताया है। पुलिस ने पिता की शिकायत पर फिलहाल गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया है।

लेफ्टिनेंट बनकर गांव लौटे भविष्य का जोरदार स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ डहीना

आर्मी में लेफ्टिनेंट बनने के बाद रविवार को अपने गांव धवाना पहुंचे भविष्य यादव का ग्रामीणों का जोरदार स्वागत किया। उन्हें सीहा बस स्टैंड से ढोल नगाड़ों तक गांव लाया गया। कोसली के विधायक अनिल यादव ने भी भविष्य को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। रोडवेज विभाग में कार्यरत धवाना निवासी विनोद कुमार के बेटे भविष्य यादव ने वर्ष 2022 में एनडीए जवाइन की थी। वह देहरादून आईएनए से लेफ्टिनेंट बने हैं। उनके दादा स्व. रामस्वरूप यादव आर्मी में ऑर्डिनरी कैप्टन से रिटायर हुए थे। दादा के पदचिन्हों पर आगे बढ़ने के लिए भविष्य ने सेना की नौकरी को चुनते हुए यह मुकाम हासिल किया है। उनके स्वागत समारोह में सरपंच बाबूलाल, एसडीओ प्रवीण कुमार, जिले सिंह यादव निमोठ, प्राचार्य नरेंद्र यादव मंदोला, पार्षद भूपेंद्र व धर्मपाल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। भविष्य यादव के लेफ्टिनेंट बनने पर गांव में जश्न का माहौल बना रहा।

रेवाड़ी। लेफ्टिनेंट भविष्य का सम्मान करते विधायक अनिल यादव।

अब दिन के तापमान में कमी आने की संभावना, दूसरे पखवाड़े में कोहरा रोकेगा वाहनों की रफ्तार

आंशिक बादलों से सूरज की चमक फीकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

दिन के समय मौसम का गर्म मिजाज अब ठंडा पड़ना शुरू हो गया है। आसमान में आंशिक बादल छाने से सूरज की चमक फीकी पड़नी शुरू हो गई। इस सप्ताह मौसम में बार-बार बदलाव देखने को मिल सकता है। सर्दी का सीजन शुरू होने के बाद पहली बार घने कोहरे के दर्शन भी हो सकते हैं। दिन का तापमान गिरने और कड़ाके की ठंड का अनुमान लगाया जा रहा है।

रविवार को सुबह के समय आसमान पूरी तरह साफ रहा। तेज धूप ने सुबह की ठंड का असर कम कर दिया। दोपहर बाद आसमान में आंशिक बादल छाने शुरू हो गए, जिससे तेज धूप मंद पड़ने लगी। सूरज की तपिश कम होने के साथ ही कई दिनों बाद दिन के समय भी ठंड अपनी उपस्थिति का अहसास कराने लगी। लगभग एक सप्ताह से दिन के समय मौसम गर्म बना रहा। अब मौसम में बदलाव आना शुरू हो गया है। अधिकतम तापमान 1.0 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 26.5 डिग्री पर पहुंच गया। रात का तापमान भी 0.2 डिग्री की वृद्धि के साथ 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 71 प्रतिशत तक रहा, जबकि रफ्तार 8 किमी प्रति घंटा रही। दोपहर बाद मौसम ने अचानक यू-टर्न ले लिया। आसमान में पहले आंशिक व बाद में घने बादल छा गए। सूरज बादलों के आगोश में समां गया, जिससे दिन के समय ही ठंड का असर बढ़ गया। दिन के समय गर्मी का असर गायब होना शुरू हो गया। मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह मौसम में बार-बार बदलाव देखने को मिल सकता है। सप्ताह के अंत में बादल छाने और बूंदाबांदी होने की संभावना भी जताई जा रही है। जल्द ही कोहरे का असर भी देखने को मिल सकता है। तापमान में गिरावट के बाद कड़ाके की ठंड अब कंपकपी छुड़ाने का काम करेगी।

इस सप्ताह परिवर्तनशील बना रहेगा मौसम

रेवाड़ी। रविवार को बादलों के बीच छिपे सूर्यदेव। फोटो : हरिभूमि

किसानों के लिए राहत

मौसम में बदलाव को लेकर किसानों की चिंता दूर होने लगी है। दिसंबर माह में मौसम का गर्म मिजाज सरसों और गेहूं की फसलों के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता। कड़ाके की ठंड शुरू होने के बाद दोनों फसलों को अच्छा लाभ मिलेगा। अगर इस दौरान बूंदाबांदी होती है, तो वह फसलों के लिए काफी उपयोगी साबित होगी। फिलहाल ठंड बढ़ने के कारण प्रदूषण की समस्या भी बढ़ सकती है। धारूहेड़ा का एक्यूआई 220 दर्ज किया गया, जिसके ठंड बढ़ने के साथ ही 300 के पार पहुंचने की आशंका बनी हुई है।

कंपनी कर्मचारी ने फांसी का फंदा लगाकर जान दी

■ नीलगिरी सोसायटी में शनिवार की रात की घटना

हरिभूमि न्यूज ⏭ धारूहेड़ा

नीलगिरी सोसायटी में शनिवार की रात एक कंपनी कर्मचारी ने अपने कमरे में फांसी लगाकर जान दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा दिया। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है।

एक कंपनी में नौकरी करने वाला 22 वर्षीय पुनीत शनिवार को शाम के समय घर आने के बाद चाय पीकर अपने कमरे में चला गया। रात को उसकी मां ने खाना खाने के लिए आवाज लगाई, तो उसका कोई जवाब नहीं आया। जब मां ने उसके कमरे में जाकर देखा, तो पुनीत का शव फांदी के फंदे पर लटक रहा था। उसकी मां ने बेटे को फंदे पर लटका हुआ देखकर शोर मचा दिया। आसपास के लोग वहां एकत्रित हो गए। सूचना मिलने के बाद थाना धारूहेड़ा प्रबंधक कश्मीर सिंह मौके पर पहुंच गए।

सीन ऑफ क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाया गया। बाद में शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक के कमरे से कोई सुसाइड नोट भी बरामद नहीं हुआ है। पुनीत दो भाइयों में बड़ा था और उसकी शादी भी नहीं हुई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

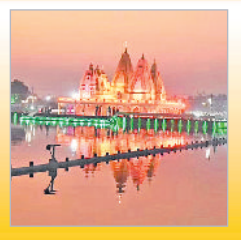

गीता जयंती महोत्सव

कुरुक्षेत्र में गीता जयंती महोत्सव, भगवद गीता के जन्मदिवस (मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी) के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। यह एक विशाल वार्षिक अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक उत्सव है, जहां भक्त ब्रह्म सरोवर में स्नान करते हैं, श्लोक पाठ, भजन, नाटक और शिल्प मेले (सरस मेला) में भाग लेते हैं। यह आयोजन कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड और हरियाणा पर्यटन द्वारा कई देशों की भागीदारी के साथ आयोजित किया जाता है। यह महोत्सव 2016 से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा है।

कला और संस्कृति का अनूठा संगम है फल्गु महोत्सव

लोक परंपराओं को जीवित रखने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है 'फल्गु लोककला महोत्सव'। यह संस्कृति के प्रति एक संकल्प, एक यात्रा और एक ऐसे आंदोलन की शुरुआत है जो हमारी विरासत को आधुनिकता की दौड़ में संरक्षित करने का प्रयास करता है।

संस्कृति

रामबीर सिंह 'राम'

हरियाणा की संस्कृति और परम्पराएं अद्भुत हैं। यहाँ की माटी से उठती सुगंध केवल खेत-खलिहानों तक सीमित नहीं है बल्कि लोकगीतों, नृत्यों, रागनियों और धार्मिक आस्थाओं में भी साँस लेती है। इन्हीं लोक परंपराओं को जीवित रखने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है 'फल्गु लोककला महोत्सव'। जो न केवल एक सांस्कृतिक आयोजन है, बल्कि यह संस्कृति के प्रति एक संकल्प, एक यात्रा और एक ऐसे आंदोलन की शुरुआत है जो हमारी विरासत को आधुनिकता की दौड़ में संरक्षित करने का प्रयास करता है।

इस महोत्सव ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के साथ-साथ यह भी सिद्ध कर दिया कि लोककलाएँ आज भी समाज की आत्मा हैं और जब इन्हें उचित मंच मिलता है, तो ये सांस्कृतिक चेतना की नई धाराओं को जन्म देती हैं। ऐसे में यह उत्सव तब और भी प्रासंगिक तथा प्रभावशाली हो जाता है जब इसका आयोजन कुरुक्षेत्र की पावन धरती पर स्थित फल्गु तीर्थ यानि फल्कीवन पर किया जाता है। हरियाणा के कैथल जिले के गाँव फरल में स्थित फल्गु तीर्थ यानि फल्कीवन की बात चली है तो बताते चलें कि वामन पुराण के अनुसार, घने वनों से आच्छादित कुरुक्षेत्र की पावन भूमि पर सात प्रमुख वन थे, जिनमें से एक था फल्कीवन। यह पावन भूमि सरस्वती और दृषद्वती नदियों के जल से पोषित थी। दृषद्वती नदी का प्रवाह मार्ग कौल (कैथल) से होते हुए फल्कीवन तक रहा है, जिसके अवशेष आज भी गाँव फरल के पूर्व में देखे जा सकते हैं। इस भूमि पर महर्षि श्री फल्क ने कठोर साधना की, और उन्हीं के नाम पर यह स्थान 'फल्कीवन' कहलाया। कालांतर में, यही वन फल्गु तीर्थ बना और इसके कारण ही गाँव का नाम 'फरल' पड़ा। यह तीर्थ पितृकर्म के लिए विश्वभर में विख्यात है, जिसका वर्णन महाभारत, वामन पुराण, मत्स्य पुराण और नारद पुराण जैसे ग्रंथों में मिलता है। वामन पुराण के 36वें अध्याय में वर्णित है :

"सोमक्षये च सम्प्राप्ते सोमस्य च दिन तथा।
यः श्राद्ध च मत्यस्तस्य फल पुष्पम।।49।।
गंगायां च यथा श्राद्ध पितृन्प्रीणति नित्यशः।
तथा श्राद्ध च कर्तव्य फल्कीवनमाश्रितैः।।50।।"

अर्थात सोमवार के दिन अमावस्या के अवसर पर फल्गु तीर्थ पर किया गया श्राद्ध पितरों को गया जी में किए गए श्राद्ध की तरह ही तृप्त और प्रसन्न करता है।

फल्गु तीर्थ केवल धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक धरोहर भी है। यहाँ 17वीं शताब्दी का मुगलकालीन शिव मंदिर, नागर शैली में निर्मित राधा-कृष्ण मंदिर, विशाल सरोवर और एक अत्यंत प्राचीन वटवृक्ष इसकी महत्ता को और भी बढ़ा देते हैं। समीप स्थित पणिश्वर तीर्थ भी है, जिसे महाभारत के अनुशासन पर्व में 'पाणिखात' कहा गया है।

फल्गु तीर्थ पर सांस्कृतिक आयोजनों का इतिहास भले ही शानदार हो, लेकिन इस आयोजनों के बीच आने वाला लंबा अंतराल परंपरा के सरंक्षण में बाधक बन रहा था। जिसे दूर करने का बीड़ा फल्गु मंदिर सुधार समिति ने उठाया। समिति के संरक्षक जयगोपाल शर्मा के मार्गदर्शन में, वर्ष 2011 में पहली बार एक दिवसीय भजन संध्या का आयोजन हुआ। यह छोटा-सा प्रयास गाँव की सांस्कृतिक चेतना को जगाने वाला दीपक साबित हुआ। धीरे-धीरे यह परंपरा बढ़ती गई और उत्सव का दायरा एक दिन से बढ़कर सात दिन तक पहुँच गया। हरियाणवी सांग, रागनी, लोकनृत्य, भजन और कवि सम्मेलन जैसे विविध कार्यक्रमों ने इस मंच को बहुआयामी बना दिया। 2016 में जब हरियाणा कला परिषद इस उत्सव से जुड़ी, तो आयोजन को नई ऊर्जा मिली। सरकार के सहयोग और कलाकारों की बढ़ती भागीदारी ने इसे राज्यस्तरीय पहचान दिलाई। वर्ष दर वर्ष इस महोत्सव में कलाकारों की संख्या निरंतर बढ़ती रही। 2016 में जहाँ 35 कलाकारों ने भाग लिया, वहीं 2017 में यह संख्या 180 तक पहुँच गई। 2018 और 2019 में यह परंपरा जारी रही। 2020 में महामारी के कारण उत्सव ऑनलाइन आयोजित हुआ, जिसमें 120 कलाकारों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। 2021 से फिर प्रत्यक्ष आयोजन शुरू हुआ और हरियाणा साहित्य अकादमी भी इससे जुड़ गई। इससे गाँव में कवि सम्मेलन की एक नई परंपरा का जन्म हुआ, जिसने लोककलाओं के साथ-साथ साहित्य को भी इस मंच पर स्थान दिया। यह उत्सव हरियाणा सरकार की विभिन्न परीक्षाओं में भी एक प्रश्न बनकर उभरा है कि 'फल्गु उत्सव कब और कहाँ आयोजित होता है?', जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता और महत्ता को दर्शाता है। वर्ष 2022 में पहले आयोजनों की परंपरा को निभाने के बाद वर्ष 2023 से महोत्सव कला और सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा की वित्तीय सहायता से तीन दिवसीय महोत्सव का आयोजन हो रहा है।

हाल ही में कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा तथा फल्गु मंदिर सुधार समिति के संयुक्त तत्वावधान में 12 से 14 सितम्बर 2025 तक फल्गु तीर्थ, फरल (कैथल) में तीन दिवसीय फल्गु लोककला महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन हुआ। जिसमें इंद्रप्रस्थ अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली और क्षीरधारा करनाल का विशेष सहयोग रहा। 12 सितम्बर को पहले दिन हरियाणवी लोकनृत्य कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार डॉ. चंद्र त्रिखा (निदेशक, उर्दू प्रकोष्ठ, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी) के सान्निध्य में मुख्य अतिथि सतपाल जाम्बा, विधायक पूंडरी, अध्यक्ष मनजीत सिंह (सदस्य सचिव, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी) तथा विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार रामबीर सिंह 'राम' और समाजसेवी विकास गर्ग ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुकेश द्वारा गणेश वंदना,

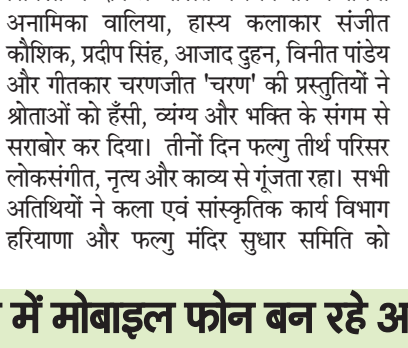

सत्यवान व सोनी की 'कुएं की पनिहारी', सीमा वत्स की 'काला-काला कहे गुजरी' तथा बलराज और उनकी टीम की 'जर-जोरू और जमीन' जैसी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को लोक-संवेदना से भर दिया।महोत्सव के दूसरे दिन 13 सितम्बर को लोकगायन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. रामपाल सैनी (कुलपति, चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद), अध्यक्ष पद्मश्री महाबीर गुड्डू और विशिष्ट अतिथि डॉ. ऋषिपाल (प्राचार्य, जनता कॉलेज, कौल) ने किया महाबीर गुड्डू ने भी सुप्रसिद्ध रागनी 'गंगा जी तेरे खेत मैं' प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर किया। 14 सितम्बर को अंतिम दिन हरियाणवी मखौल एवं कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसका शुभारंभ प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री (कार्यकारी उपाध्यक्ष, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी), अध्यक्ष सुभाष गर्ग, विशिष्ट अतिथि कर्म सिंह, डॉ. पवन वर्मा (निदेशक, आकाशवाणी हिसार) और विजय सिंगला ने दीप प्रज्वलित कर किया। कवयित्री अनामिका वालिया, हास्य कलाकार संजीत कौशिक, प्रदीप सिंह, आजाद दुहन, विनीत पांडेय और गीतकार चरणजीत 'चरण' की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को हँसी, व्यंग्य और भक्ति के संगम से सराबोर कर दिया। तीनों दिन फल्गु तीर्थ परिसर लोकसंगीत, नृत्य और काव्य से गूंजता रहा। सभी अतिथियों ने कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा और फल्गु मंदिर सुधार समिति को साधुवाद देते हुए ऐसे आयोजनों को हरियाणवी विरासत के संरक्षण, संवर्धन और नई पीढ़ी तक इसके प्रसार का प्रेरणास्रोत बताया।

वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार डॉ. चंद्र त्रिखा इसे "एक सांस्कृतिक चेतना का उत्सव" कहते हैं, जो समाज के लिए एक सुखद अनुभव और उदाहरण प्रस्तुत करता है। जबकि हिंदी मंच संचालन के शिखर पुरुष जैनेन्द्र सिंह की नज़र में 'फल्गु उत्सव' अपनी कला, संस्कृति और परंपराओं को समर्पित एक सकारात्मक और सफल प्रयास है जो समाज के लिए प्रेरणा का कार्य करता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के संयुक्त सचिव डॉ. जी.एस. चौहान का मानना है कि यह शिक्षा और सांस्कृतिक चेतना का संगम है, जो युवाओं को भारतीय परंपराओं से जोड़ता है। इसी प्रकार उत्तर मध्य सांस्कृतिक कला केंद्र के निदेशक सुदेश शर्मा इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने का सपना देखते हैं और इसे संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयासों में एक सार्थक योगदान मानते हैं। कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के मानद सचिव उपेन्द्र सिंहल कहते हैं कि फल्गु उत्सव का आयोजन कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के तीर्थों के प्रचार-प्रसार और रख-रखाव के संकल्प में सहयोगी प्रतीत होता है।

वहीं लंदन में रहने वाले प्रसिद्ध रेडियो कलाकार रवि शर्मा का मानना है कि ऐसे आयोजन मन को आनंदित करते हैं। पद्मश्री महाबीर गुड्डू कहते हैं कि 'फल्गु लोककला महोत्सव' कला और संस्कृति के आनंद का उत्सव है। महोत्सव के संयोजक दिनेश शर्मा 'दिनेश' का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में यह महोत्सव फल्गु मेले के रूप में विकसित हो, जो पितृपक्ष के पूरे सोलह दिनों तक चले और हजारों कलाकारों तथा लाखों श्रद्धालुओं को एक साथ जोड़ दे। उनका मानना है कि यह न केवल संस्कृति के संरक्षण का एक प्रयास है, बल्कि फल्गु तीर्थ को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने का भी एक माध्यम है। फल्गु तीर्थ की पावन भूमि पर आयोजित यह महोत्सव हमें यह संदेश देता है कि संस्कृति केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा है। यही इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

कविता | सविता गर्ग 'सावी'

विष्णु चरण तै निकली गंगा

विष्णु चरण तै निकली गंगा शंकर जटा समाई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई

राजा सागर के पुत्रां नै जब
कपिल मुनि का उपहास करया
आंख खोल कै गेड़ी दृष्टि
पल में सब तै भसम करया
जब दुनिया नै बेरा पाटया मचगी सारै दुहाई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई

स्वर्ग लोक तै चल कै गंगा
मृत्यु लोक मैं आई
सब ऋषियां की कुटिया बह गई
मच गई सारै तबाही
जाहनू ऋषि नै पी कै गंगा मन मैं शांति पाई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई

हाथ जोड़ कै बोल्या भागीरथ
विनती मेरी स्वीकार करो
मेरे पित्तर सै अधोगति मैं
उन सब का उद्धार करो
सावी गावै झूम झूम कै जय हो गंगा माई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई।

विष्णु चरण तै निकली गंगा शंकर जटा समाई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई।

गीत | सुरेश भाणा

नशा करै बुरी दशा

नशा करै बुरी दशा क्रोध का बाप बताया जा
क्रोध के कारण मति भ्रम हो ना बिल्कुल भी समझाया जा

नशे के कारण इस जग में ज्यादा झगड़े होते देखे
बुद्धि से ना काम लेवैं, वैं फेर पाछै तै रोते देखे
लाख बुराई हर तरियां की अपने सिर पै ढोते देखे
भाईचारा रिस्तेदारी और यारी नै भी खोते देखे
काम ईसा कर जाते जो ना फेर पाछै तै सँगवाया जा

नशा करणिया माणस के घर होज्या धन का टोटा
उसका कुणबा भूखा सोवै काम बणै घणा खोटा
टूम ठेकरी बासण बिकज्या सिर पै हो कर्जा मोटा
सारी दुनिया देवै बुराई छुटज्या मेर मळओटा
चिंता रहती चौबीस घंटे फेर पिया जा ना खाया जा

क्रोध के कारण बैर बढै ये पैदा होज्यां कठिनाई
क्रोध के कारण अक्ल खत्म हो रहै ना गात समाई
क्रोध के कारण कुणबा टूटै और न्यारे होज्यां भाई
क्रोध के कारण बड़े बड़े खपगे ना कोई निशानी पाई
क्रोध करणिया माणस फेर सारे जग में बिसराया जा

काम क्रोध मद लोभ छोड़ कै प्यार निभाणा चाहिए
छोटी मोटी बातां पै ना कदे गुस्सा ठाणा चाहिए
जो लागै बोल सभी नै सुथरा ईसा ए गाणा चाहिए
जन्म लेण नै फेर दोबारा मनै यो पाई भाणा चाहिए
कहै सुरेश गुरु चरणों में यो हरदम शीश झुकाया जा

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

नैतिक मूल्य | संयुक्त परिवारों के आंगन अब दीवारों में बंट गए, डिजिटल युग में मोबाइल फोन बन रहे अकेलेपन के साथी

चिंता का विषय है बदलता सामाजिक परिवेश

जीवनशैली | कृष्ण गोपाल सोलंकी

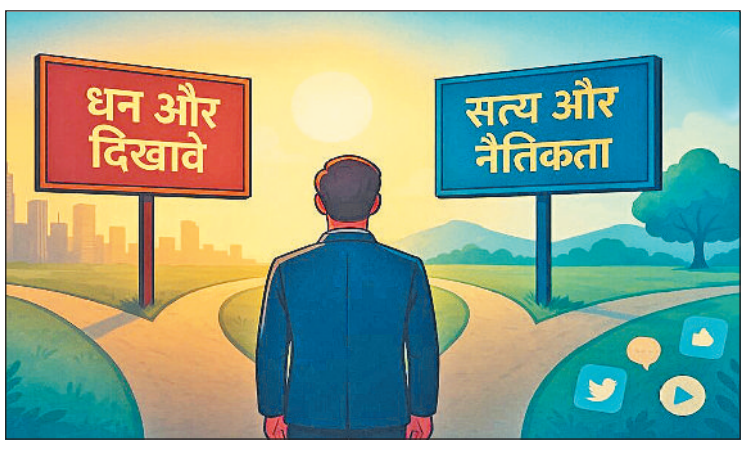

अपने परिवार को आर्थिक और सामाजिक गति देना आवश्यक है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है कि हम पहले एक स्वस्थ और संस्कारवान माहौल तैयार करें और उसकी शुरुआत अपने घर से करें। महँगे संसाधनों से ज्यादा बच्चों को हमारे 'समय' और 'साथ' की जरूरत है। हम अपने बच्चों को आधुनिक शिक्षा जरूर दें, लेकिन उसके साथ सुसंस्कारों की नींव भी रखें। जब तक शिक्षा और संस्कार का मेल नहीं होगा, तब तक हम एक सुखी और सुरक्षित समाज की कल्पना नहीं कर सकते। अंततः, हमें अपनी जड़ों की ओर लौटना होगा ताकि हरियाणा का वह खोया हुआ सौहार्द और प्रेम पुनः लौट सके।

हरियाणा प्रदेश, जिसे कभी अपने दूध-दही के खान-पान, आपसी प्रेम, भाईचारे और अटूट सहयोग के लिए जाना जाता था, आज एक अजीब से संक्रमण काल से गुजर रहा है। जिस धरती की पहचान बड़ों के प्रति अगाध सम्मान और निःस्वार्थ सेवा थी, आज वहां की तस्वीर कुछ धुंधली और अलग हो गई है।

यह विडंबना ही है कि विकास की दौड़ में आगे बढ़ते हुए हम अपने नैतिक मूल्यों को पीछे छोड़ आए हैं। नई पीढ़ी के व्यवहार में बड़ों के प्रति सम्मान, दिखावे की खोखली जिंदगी और बढ़ती नशाखोरी आज हर संवेदनशील व्यक्ति के लिए गहरी चिंता का विषय बन गई है। आज का इंसान अपने वास्तविक स्वधर्म और मानवता को भूलकर काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार के दलदल में बुरी तरह फंस गया है। जिसके कारण समाज में नैतिक मूल्यों का पतन बड़ी तेजी से हो रहा है। भाईचारे की मिसाल कहे जाने वाले हरियाणा में इन दिनों ऐसी-ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जिनसे मानवता शर्मसार हो उठती है। सहनशीलता का स्तर इतना गिर गया है कि जरा-जरा सी बात पर खून-खराबा होना आम बात हो गई है। उदाहरण के तौर पर, अक्सर देखने में आता है कि खेत की एक इंच मेंढ़ या घर के बाहर गाड़ी खड़ी करने जैसी मामूली बात पर वर्षों पुराने पड़ोसी या सगे भाई एक-दूसरे की जान लेने पर उतारू हो जाते हैं। यह वही समाज है जहाँ कभी पड़ोसी के दुख को अपना दुख समझा जाता था, लेकिन आज क्रोध और अहंकार ने विवेक को हर लिया है। भौतिक सुखों की अंधी दौड़ और खुद को रातों-रात अमीर बनाने की चाहत में माता-पिता अब अनजाने में ही सही, अपने बच्चों को वह समय नहीं दे पा रहे हैं, जो उनके चरित्र निर्माण के लिए अनिवार्य था। इसका परिणाम यह हुआ है कि संयुक्त परिवारों के आंगन अब दीवारों में बंट गए हैं; अलग-अलग चौखटें और अलग-अलग रास्ते हो गए हैं। इस अलगाव का सबसे बड़ा और दुष्प्रभाव बच्चों पर पड़ा है। जिस उम्र में उन्हें घर के बुजुर्गों के सानिध्य में स्नेह, सहयोग, तालमेल और रिश्तों की मिठास सीखनी चाहिए थी, उस कच्ची उम्र में वे मोबाइल की दुनिया में अकेलेपन के साथी बन गए हैं। वे बेढंगी और अर्थहीन 'रील्स' देख रहे हैं और खुद भी वैसा ही बनावटी जीवन जीने का प्रयास कर रहे हैं। इस जलती आग में घी डालने का काम किया है, नए दौर के हरियाणवी गानों ने। साहित्य और संगीत, जो कभी समाज का दर्पण हुआ करते थे, आज पथभ्रष्ट हो चुके हैं। इन गीतों की भाषा शैली न केवल असभ्य है, बल्कि यह लेखकों की परवरिश और उनके संस्कारों पर भी बड़ा प्रश्नचिन्ह लगाती है। गीतों में जेल, पिस्तौल, बदमाशी, मार-काट और शराब जैसे शब्दों का प्रयोग और महिमामंडन इस प्रकार किया गया है, जिससे प्रभावित होकर युवा वर्ग इसे ही जीवन का 'सच्चा सुख' और 'रुतबा' मान बैठा है। तकनीकी और पैसे के इस दौर ने माता-पिता से जहाँ उनके बच्चे छीन लिए, वहीं माता-पिता भी अपनी व्यस्तताओं के चलते अपने बच्चों से कोसों दूर होते जा रहे हैं। संवादहीनता के इस दौर में सहनशीलता पूरी तरह ख़त्म हो गई है। आज के बच्चे जीवन के छोटे-छोटे संघर्षों और बुरे समय का सामना करने से डरते हैं। उनकी मानसिक स्थिति इतनी नाजुक हो गई है कि परीक्षा में थोड़े कम अंक आ जाएं या कोई मनचाही वस्तु न मिले, तो वे आत्महत्या जैसा कायरतापूर्ण कदम उठाने में भी संकोच नहीं करते। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण यह है कि उनके पास कोई अपना ऐसा नहीं है जिससे वे मन की बात कर सकें, कोई समझाने वाला नहीं है जो उन्हें बताए कि असफलता जीवन का अंत नहीं है। ऐसे में यह प्रत्येक माता-पिता की नैतिक जिम्मेदारी बन जाती है कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों के प्रति सजग रहें। घर से बाहर कदम रखते बच्चों के बारे में माता-पिता को यह पता होना ही चाहिए कि हमारा बच्चा कहाँ है, किसके साथ उठ-बैठ रहा है और वह क्या करता है?

हरियाणा की माटी से निखरी कला-साधिका ममता शर्मा

कलाकार | दिनेश शर्मा 'दिनेश'

अंधेरी रात जब बीते उजाला लौट आता है,
अमावस का अंधेरा भी कभी ना रोक पाता है।
करे कोशिश अगर कोई, सफलता मिल ही जाती है;
इरादे हों अटल जिसके, जमाना सिर झुकाता है।

कुछ ऐसी ही होती है जीवन में संघर्षों से होकर सफलता तक पहुँचने की कहानी। यदि हौसलों में उड़ान हो तो अभाव केवल पड़ाव बनकर रह जाते हैं। हरियाणा की लोक संस्कृति के फलक पर शोभित लोक कलाकार ममता शर्मा ने यह सिद्ध करके दिखाया है। एक श्रमिक परिवार की बेटी से लेकर आज अनगिनत मंचों की शान बनने तक का उनका सफर न केवल प्रेरणादायी है, बल्कि महिला सशक्तिकरण का एक जीवंत उदाहरण भी है।रोहतक जिले के गाँव मुरादपुर टेकना में एक अत्यंत साधारण और कृषक परिवार में जन्मी ममता का बचपन आर्थिक तंगी में गुज़रा।

माता-पिता दिहाड़ी मजदूरी कर घर का खर्च चलाते थे। वे भले ही अक्षरज्ञान से दूर थे, किंतु अपनी संतानों को संस्कार और स्वाभिमान का पाठ पढ़ाना भली-भांति जानते थे। ममता बताती हैं, "दरिद्रता हमारे घर की चौखट पर अवश्य थी, किंतु मेरे माता-पिता ने हमारे आत्मबल को कभी विपन्न नहीं होने दिया।" ममता ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा (आठवीं तक) गाँव के ही सरकारी विद्यालय से तथा दसवीं की परीक्षा मोखरा गाँव से

उत्तीर्ण की। बाल्यकाल से ही उनके मन में हरियाणवी संस्कृति, मटका दौड़, नाटक और पारंपरिक वेशभूषा के प्रति गहरा अनुराग था। विद्यालय के सांस्कृतिक आयोजनों में वह अपनी कला का लोहा मनवाती रहीं। किंतु नियति को कुछ और ही स्वीकार था।घर की विषम परिस्थितियों के चलते, महज 15 वर्ष की अल्पायु में ही उन्हें गृहस्थी के बंधन में बाँध दिया गया। उनका विवाह हिसार के निकट स्थित गाँव बांस में हुआ। एक हँसती-खेलती किशोरी ने सिर पर घूँघट और घर-गृहस्थी की बड़ी जिम्मेदारियों के बीच अपने कलाकार मन को एक लंबी चुप्पी में कैद कर लिया। ममता अतीत के पन्ने पलटते हुए कहती हैं, "विवाह के उपरांत नए दायित्व थे, संतान सुख था और भरा-पूरा परिवार था। मैंने सब कुछ संभाल लिया, किंतु हृदय के किसी कोने में एक कसक बाकी थी कि मेरा सपना अधूरा है। मुझे अपनी लोक-परंपरा के संरक्षण के लिए कुछ करना है।"

बदलते समय के साथ ममता के सपनों को नया जीवन मिला। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से हरियाणवी संस्कृति, ठेठ बोली और सादगी से भरे वीडियो साझा करने शुरू किए। उनकी सहजता और लोककला ने जनमानस को प्रभावित किया और वह अत्यंत लोकप्रिय हो गईं।उनका मानना है कि उनकी सफलता के पीछे सबसे बड़ा हाथ उनके पति सुरेश शर्मा का है। हरियाणा के ग्रामीण परिवेश में जहाँ प्रायः वधुओं की प्रतिभा चूल्हे-चौके तक सिमट जाती है, वहीं ममता के पति ने एक नई मिसाल पेश की। उन्होंने न केवल ममता की कला का साथ दिया, बल्कि उनकी अधूरी शिक्षा को भी पुनः आरंभ कराया। एक वर्ष पूर्व उन्होंने ममता का बारहवीं कक्षा में नामांकन करवाया। ममता का कहना है, "सीखने की कोई समय-सीमा नहीं होती। आज मैं अध्ययन भी कर रही हूँ, गृहस्थी भी संभाल रही हूँ और मंच पर भी सक्रिय हूँ। मेरा उद्देश्य उन महिलाओं में चेतना जगाना है जो विवाह के उपरांत अपने स्वप्नों को तिलांजलि दे देती हैं।"इसी संदर्भ में वह भावुक होकर कहती हैं, "आज यदि मैं समाज के समक्ष चमक रही हूँ, तो इसमें मेरी मेहनत से अधिक मेरे पति का त्याग है। वे मुझे प्रत्येक कार्यक्रम में स्वयं छोड़कर जाते हैं और ससम्मान वापस लाते हैं। ससुराल में आकर यदि उनका साथ न मिलता, तो मैं कभी भी घर की देहली नहीं लांघ पाती।

गुरु का सान्निध्य और शिक्षा की नई अलख

ममता की प्रतिभा को वास्तविक विस्तार पद्मश्री महावीर गुड्डू के सान्निध्य से मिला, जिन्होंने उनकी कला को तराशा और उन्हें प्रदेश ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिलाई। वह 'इंडियाज गॉट टैलेंट' जैसे बड़े मंच पर भी हरियाणवी संस्कृति का परचम लहरा चुकी हैं। अब वह विदेशों में भी हरियाणवी संस्कृति का ध्वज फहराने की तैयारी कर रही हैं। ममता शर्मा का लक्ष्य केवल प्रशंसा बटोरना नहीं है। उनकी आँखों में एक बड़ा सपना तैर रहा है। वह दृढ़ता से कहती हैं, "मेरी आत्मा को शांति तब मिलेगी जब हरियाणवी लोक कला, हमारा परिधान और हमारे संस्कार हिंदी सिनेमा से लेकर विदेशी मंचों तक अपनी विशिष्ट पहचान बनाएंगे। यह मेरा स्वप्न मात्र नहीं, अपितु संकल्प है।"

खबर संक्षेप

रोटरी क्लब ने लगाई गोवंश के लिए सवामणी

नारनौल। रोटरी क्लब सिटी की ओर से गोमाता की सेवा के लिए मुहीम के तहत रविवार को चौथी सवामणी का आयोजन किया गया। जिसका आयोजन रोटेरियन प्रवीण संघी ने किया। मुहीम के इंचार्ज रोटेरियन नवीन गुप्ता की देखरेख में सभी सदस्यों ने गोमाता को हरी सब्जियां खिलाकर पुण्य लाभ लिया। प्रवीण संघी की माताजी कमला देवी संघी ने गोसेवा करते हुए कहा कि गोमाता की सेवा से बढ़कर कोई धर्म कार्य नहीं है, गोमाता के संरक्षण के लिए क्षेत्र के अन्य जागरूक लोगों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए।

यदुराइज परीक्षा और सांस्कृतिक प्रतियोगिता

नारनौल। यदुवंशी शिक्षा निकेतन की ओर से शैक्षणिक सत्र में यदुराइज परीक्षा व सांस्कृतिक प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक योग्यता के साथ उनकी रचनात्मक, सांस्कृतिक व बौद्धिक क्षमताओं का सर्वांगीण विकास करना रहा। इस अवसर पर कक्षा एक से 11वीं तक के विद्यार्थियों के लिए यदुराइज परीक्षा का आयोजन किया गया।

संगठित समाज ही बना पाता है अपनी पहचान

मंडी अटेली। जब समाज संगठित होता है तो वह न केवल अपनी पहचान को सुरक्षित करता है, बल्कि अपने हितों की रक्षा भी करता है। अग्रवाल वैश्य समाज की यह संगठनात्मक यात्रा इस बात का प्रमाण है कि संगठित समाज ही वास्तव में शक्ति की पहचान है। ये उद्गार अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने मंडी अटेली की ताजपुरिया धर्मशाला में आयोजित महेन्द्रगढ़ जिले के संगठन संवाद कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोलते हुए कहे।

मालवीय स्वतंत्रता सेनानी शिक्षाविद व समाज सुधारक थे

नारनौल। मोहल्ला चौधरियान स्थित श्री गौड़ ब्राह्मण सभा के प्रांगण में रविवार को भारतरत्न महामना मदनमोहन मालवीय व पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती तथा गीता महोत्सव आयोजन किया गया। इस मौके पर विभिन्न प्रतियोगिताओं सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट पाली के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार रहे, जबकि अध्यक्षता विधायक ओमप्रकाश यादव ने की।

नारनौल में नालियों की सफाई करने उपरांत गंदगी नहीं उठाने तथा पार्कों की दुर्दशा पर की वरिष्ठ नागरिकों ने चिंता व्यक्त

वरिष्ठ नागरिक बोले, जिला नगर आयुक्त की उनके मातहत कर्मचारी भी नहीं सुनते, करेंगे धरना और प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

वरिष्ठ नागरिक संगठन की मासिक बैठक किला रोड स्थित संगठन कार्यालय साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में प्रधान दुलीचन्द शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। परम्परानुसार जिन सदस्यों का जन्मदिन बैठक के माह में आता है, उन उपस्थित सदस्यों महाबीर प्रसाद अग्रवाल, मास्टर जयदयाल, रामनिवास सैनी और रविन्द्र कुमार चौधरी को सम्मान पट पहनाकर सम्मानित किया गया और उनके स्वस्थ रहते हुए दीर्घायु होने की कामना की गई।

नारनौल। मीटिंग को संबोधित करते प्रधान दुलीचंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

बैठक में प्रभातीलाल मुदगिल ने बताया कि मेहता चौक से सैनी कांटा तक रोड कई जगह तोड़ी गई है, इसे ठीक किया जाए। रामनिवास सैनी ने बताया कि सीवर की सफाई के बाद गंदगी को शीघ्र नहीं उठाया जाता और कई–कई दिन तक गंदगी ज्यों ही त्यों पड़ी रहती है। सुभाष सिंघल ने बताया कि धौलियों की सिल्ली के पास श्याम मंदिर के पास गंदा पानी भरा हुआ है, जिससे मंदिर में आने–जाने वालों को बहुत दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। यह गंदा पानी नालियों के चॉक हो जाने पर बाहर सड़क पर आ जाता है। बैठक में यह भी ध्यान में लाया गया कि महाबीर चौक पर सिग्नल लाइट न होने पर वहां तैनात पुलिस कर्मचारी ट्रैफिक को ठीक प्रकार से नियन्त्रित नहीं कर पाते। इसलिए महाबीर चौक पर सिग्नल लाइऐं तुरंत लगवाई जाएं। इसके साथ-साथ राजीव चौक के पास भरे हुए गंदे पानी को भी निकलवाया जाए।

यह रहे मौजूद

बैठक का संचालन संगठन के महासचिव मुखराम सैनी ने किया। बैठक में शिवहरि अग्रवाल, संयुक्त सचिव सोहनलाल चौहान, कोषाध्यक्ष बीएल सैनी, भागीरथ प्रसाद, बिशन सिंह यादव, जसवंत सिंह यादव, सत्यनारायण गुप्ता, ब्रह्मप्रकाश रोहिल्ला रामजीलाल मित्तल, बद्री प्रसाद गर्ग, सुरेश भारद्वाज, शिवलाल वर्मा, देवीदयाल, उमादत्त शर्मा, हरिराम गुप्ता, चेतन स्वरूप, बाबूलाल गोयल, गिरधारीलाल दायमा, रविन्द्र कुमार चौधरी, रामनिवास सैनी, सुभाष सिंघल, महावीर प्रसाद अग्रवाल व मास्टर जयदयाल आदि उपस्थित रहे।

शहर के पार्कों की हालत खराब

शहर के सबसे बड़े सुभाष पार्क की सफाई व अन्य समस्याओं के बारे में संगठन के प्रधान दुलीचन्द शर्मा ने बताया कि गत 26 नवंबर को उनके अनुरोध पर जिला नगर आयुक्त ने सुभाष पार्क का स्वयं जाकर निरीक्षण किया तो पाया कि पार्क मे सफाई नहीं हो रही। जगह–जगह गंदगी फैली हुई है। पार्क में लगभग एक मास पहले लगे पोल पर लाइटें नहीं लगाई गई हैं। पार्क की लाइट चालू करने के लिए कोई चैम्बर बनाकर उसमें लाइटें जलाने व बन्द करने की व्यवस्था ठीक नहीं है। इसी तरह पार्क में बने फव्वारे के लिए पानी चलाने का स्टार्टर भी बिना किसी चैम्बर में लगाने की बजाय खुले में पड़ा है। पार्क की पूर्व दिशा में वाटर हट के पास एक टूटा हुआ पोल सड़क के बीच खड़ा है। इन सब कमियों को तुरंत दूर करने के लिए जिला नगर आयुक्त महोदय ने उनके साथ आए कर्मचारियों को निर्देशित किया था, किन्तु वर्णित समस्याओं में से किसी का भी अभी तक समाधान नहीं हुआ है। अतः जिला नगर आयुक्त पार्क की सफाई के साथ-साथ वर्णित सभी समस्याओं का तुरंत निराकरण करवाएं अन्यथा वरिष्ठ नागरिक मजबूर होकर इन समस्याओं के समाधान के लिए नगर परिषद पर धरना प्रदर्शन करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी नगर परिषद की होगी।

अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर प्रशासन की सख्ती से हड़कंप

चेतावनी के बाद दुकानदारों ने शेड, अवैध निर्माण और सड़क पर रखे सामान को हटाना शुरू किया

- अतिक्रमण हटने से यातायात हुआ सामान्य, लोगों को आवागमन में मिली काफी राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत प्रशासन की सख्ती का असर बाजार में दिखाई देने लगा है। प्रशासनिक चेतावनी के बाद बाजार के अधिकांश दुकानदारों ने स्वेच्छा से अपने शेड, अवैध निर्माण और सड़क किनारे रखे सामान को हटाना शुरू कर दिया। इससे न केवल मुख्य सड़क चौड़ी हुई हैं, बल्कि यातायात भी सुचारू होने लगा है। सुबह से बाजार में गतिविधि तेज हो गई और दोपहर तक सड़क किनारे का अधिकांश हिस्सा पूरी तरह खाली हो गया। इससे यातायात सामान्य हो गया और लोगों को आवागमन में काफी राहत मिली। स्थानीय निवासियों का कहना है कि अतिक्रमण हटने से जाम की समस्या में बड़ी कमी आएगी, खासकर त्योहारों के समय। शहर के दुकानदारों का कहना है कि प्रशासन ने समय रहते चेतावनी दी, इसलिए हमने खुद ही शेड हटा लिया। यह कदम सबके हित में है।

बता दें कि शहर के दुकानदारों ने लंबे समय से अवैध चबूतरे व सड़क पर कब्जा जमाए बैठे थे। ऐसे में नगर पालिका प्रशासन ने बीते दिनों से अतिक्रमण हटाओं अभियान चलाया हैं। एसडीएम कनिका गोयल स्वंय बाजार में डोर–टू–डोर जाकर अतिक्रमण किए बैठे दुकानदारों के करीब 20 लाख रुपये तक के चालान किए गए। मोटे चालान से नाराज दुकानदारों ने लघुसचिवालय में बैठक कर एसडीएम से मुलाकात की। इसके बाद एसडीएम कनिका गोयल ने एक प्रतिनिधि मंडल से मिलकर 15 दिन का समय दिया गया और अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। अब सोमवार को 15 दिन का समय बीतने वाले हैं। ऐसे में दुकानदार स्वयं अपना बाहर रखा सामान दुकान के भीतर रखने लगे हैं। इसके अलावा कई दुकानदारों ने अवैध चबूतरे का निर्माण किया हुआ वह भी स्वयं चबूतरे तोड़ने लगे। ऐसे में दुकानदारों में प्रशासन का खौफ देखने को मिल रहा हैं। प्रशासन की इस खौफ की वजह से शहर के बाजार फिलहाल खुले–खुले नजर आ रहें हैं। हालांकि शॉपिंग कॉम्पलैक्स के अधिकतर दुकानदारों ने प्रशासन की चेतावनी के बाद भी बरामदे खाली नहीं किए हैं। अब सोमवार को प्रशासन की होने वाली कार्रवाई में इनका असर देखने को मिलेंगा।

महेंद्रगढ़। अतिक्रमण हटने के बाद खुला–खुला हुआ बाजार। व महेंद्रगढ़। दुकानदार स्वयं चबूतरे हटाते हुए। फोटो : हरिभूमि

जाम मुक्त करना लक्ष्य

एसडीएम कनिका गोयल ने कहा कि दुकानदार द्वारा सड़कों पर सामान रखने की वजह से शहर में जाम लगते हैं और राहगीर भी परेशान होते हैं।

इसलिए दुकानदार अपना सामान सड़कों पर न रखें। उन्होंने कहा कि दुकानदार अपना स्थाई अतिक्रमण जल्द से जल्द हटा ले। महेंद्रगढ़ शहर को कचरा मुक्त व जाम मुक्त शहर बनाना उनका मुख्य उद्देश्य है। शहर के सब्जी मंडी, बस स्टैंड इत्यादि स्थानों पर प्रतिदिन सफाई की जा रही है और जाम का कारण बनने वाले दुकानदारों व रेहड़ी चालकों को भी सड़क किनारों पर अतिक्रमण ना करने के निर्देश दिए गए हैं। एसडीएम ने दुकानदारों व आमजन से भी आग्रह किया है कि वे कचरे को अधिकृत स्थान पर ही डालें। इधर-उधर कचरा ना फैंकें क्योंकि इससे गंदगी फैलेगी, जिससे नागरिकों को ही परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

दोनों तरफ से अतिक्रमण से सड़क हुई सकरी

बता दें कि प्रशासन की कार्रवाई से पहले शहर के रेलवे रोड, आईटीआई रोड व सिनेमा रोड हो या फिर बाजार, हर जगह अतिक्रमण से जाम की समस्या बनी रहती थी। दुकानदार सामान को दुकान के कई फुट बाहर तक लगा लेते थे। इसके बाद जब ग्राहक दुकान पर खड़ा होता है, वह भी स्थान घेरता था। मार्ग के दोनों ओर अतिक्रमण के चलते सड़क काफी संकरी हो जाती थी। ऐसे में राहगीरों एवं वाहनों के निकलने को स्थान नहीं मिलता और जाम के हालात बन जाते थे। शहर के सब्जी मंडी रोड व शॉपिंग कॉम्पलैक्स में अतिक्रमण की भरमार थी। ऐसे में यहां राहगीरों को चलने के लिए भी रास्ता नहीं मिल पाता था। शहर में सबसे अधिक समस्या सिनेमा रोड, रेलवे रोड, 11 हट्टा बाजार, सब्जी मंडी रोड, आईटीआई रोड, सराफा बाजार, माता मसानी चौक सहित अन्य स्थानों पर दुकानदारों ने सड़क पर कब्जा किया हुआ था।

खबर संक्षेप

आरपीएस विद्यालय में सुपर 30 स्कॉलरशिप परीक्षा में छात्रों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया

महेंद्रगढ़। आरपीएस विद्यालय में सुपर 30 स्कॉलरशिप परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतिष्ठित परीक्षा का उद्देश्य प्रतिभाशाली आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को अपनी प्रतिभा निखारने के लिए एक मजबूत शैक्षणिक मंच प्रदान करना है। आरपीएस ग्रुप सीईओ इंजीनियर मनीष राव ने बताया कि इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर कक्षा 11वीं के विभिन्न संकायों मेडिकल, नॉन-मेडिकल, कॉमर्स और आर्ट्स (मनिटीज) के लिए कुल 120 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। चयनित विद्यार्थियों को सुपर 30 बैच के तहत कक्षा 12वीं तक अपने प्रदर्शन के आधार पर आरपीएस विद्यालय में पूरी तरह से निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी। आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य उन विद्यार्थियों को अवसर देना है जो परिवार की आर्थिक स्थिति के कारण अपनी प्रतिभा को सही मंच नहीं दे पाते। प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने कहा कि संस्था का मुख्य लक्ष्य प्रत्येक विद्यार्थी को सर्वोत्तम शिक्षा देना है, ताकि समाज के हर वर्ग के बच्चों का सपना पूरा हो और वे देश-विदेश में नाम रोशन कर सकें।

यदुवंशी स्कूल में यदुराइज कार्यक्रम के प्रथम चरण का आयोजन

महेंद्रगढ़। यदुवंशी स्कूल में यदुराइज कार्यक्रम के प्रथम चरण का आयोजन किया गया। इस दौरान कक्षा एलकेजी से लेकर कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिनमें ड्राइंग, कविता पाठ, भाषण एवं एकल नृत्य प्रतियोगिता शामिल रही। वहीं कक्षा छठी से 11 तक विद्यार्थियों ने ऑनलाइन परीक्षा में भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। अतिथियों का पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया। अभिभावकों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और विद्यालय की इस पहल की सराहना की। ग्रुप चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि आज यदुवंशी स्कूल में यदुराइज कार्यक्रम के प्रथम चरण के अवसर पर मुझे अत्यंत गर्व और खुशी का अनुभव हो रहा है। साथ ही उन्होंने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को शुभकामनां दी और सभी अभिभावकों का धन्यवाद भी किया। कार्यक्रम में ग्रुप वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेंद्र सिंह यादव ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामना दी।

गोल्ड मेडलिस्ट सचिन अग्रवाल ने किया लाइब्रेरी का उद्घाटन

नारनौल। गांव खटोटी खुर्द में कान्हाजी लाइब्रेरी का उद्घाटन कौन बनेगा करोड़पति में भाग लेने वाले सचिन अग्रवाल ने किया। गांव खटोटी खुर्द व आसपास के प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे बच्चों के लिए एक बहुत अच्छा विकल्प यहां पर उपलब्ध हुआ है। इस अवसर पर सचिन अग्रवाल ने कहा कि समय समय पर बच्चों को मार्गदर्शन देंगे। आईआईटीएन वैज्ञानिक और बुद्धिजीवी वर्ग के लोग भी यहां मार्गदर्शन हेतु आते रहेंगे। यह स्थान न केवल सुरक्षित वातावरण देता है, बल्कि आपके भविष्य को बदलने का मंत्र यहां प्राप्त होने वाला है। जिला समन्वयक डॉ. विक्रम सिंह ने बताया कि आज के समय में युवाओं का सबसे बड़ा दुश्मन मोबाइल और नशा है। इन दो बुराइयों से बचने का सबसे बेहतर तरीका पुस्तकालय है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पंकज गौड़ ने किया, उन्होंने युवाओं से कहा कि पुस्तकें आपकी सबसे महत्वपूर्ण साथी हैं। इस मौके पर कुंदन सिंह चौहान, शैतान सिंह, पूर्व सरपंच बेगराज शर्मा, पप्पू शर्मा, राकेश शर्मा, मांगेसिंह नंबरदार, सतपाल सिंह सांखला, धर्मपाल सिंह, सोना सिंह, वीरेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह, मास्टर अशोक कुमार, बिजेंद्र कुमार, संदीप कुमार आदि मौजूद थे।

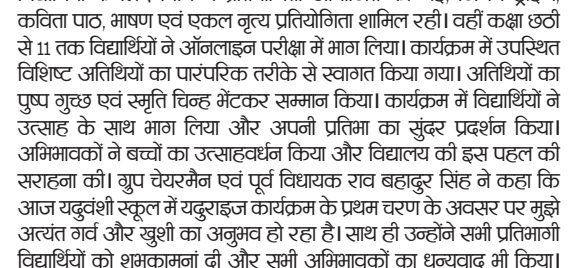

केबीसी में भाग लेने पर सचिन अग्रवाल व गोल्ड मेडल विनर आदेश जैन सम्मानित

नारनौल। श्री महाराजा अग्रसेन क्लब हुडा द्वारा एक सम्मान समारोह क्लब के कार्यालय में किया गया, जिसमें लक्खीराम अग्रवाल के सुपौत्र सचिन अग्रवाल के 'कौन बनेगा करोड़पति' में सुपरस्टार अमिताभ बच्चन के सामने हॉट सीट पर पहुंचने पर एवं गोल्ड मेडल विनर रसिया आदेश जैन को सम्मानित किया गया, जिसमें हुडा क्लब के कार्यकारणी सदस्य एवं शहर की गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अग्रवाल सभा के प्रधान प्रेमचंद गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि सचिन अग्रवाल ने अपनी प्रतिभा के बल पर अपने माता-पिता परिवार के साथ-साथ अग्रवाल समाज का नाम रोशन किया है। आदेश जैन ने मेडिकल क्षेत्र में नाम रोशन किया है, यह बहुत ही गौरव की बात है। कार्यक्रम संयोजक क्लब के प्रधान अनिल गुप्ता एडवोकेट ने आए हुए सभी गणमान्य लोगों का स्वागत किया।

चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था, हार का ठीकरा फोड़ रही कांग्रेस : प्रो. रामबिलास

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा।

कांग्रेस घट रहे जनाधार से हताश होकर लगा रही आरोप

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उस पर हार का आरोप लगाकर कांग्रेस पार्टी अपनी खीझ मिटाने का काम कर रही है। चुनाव आयोग पर आरोप लगाने से कांग्रेस को कोई लाभ नहीं मिलने वाला। प्रो. शर्मा ने प्रेस के नाम जारी बयान में कहा कि कांग्रेस पार्टी देशभर में लगातार घट रहे अपने जनाधार से हताश होकर इस तरह के आरोप लगा रही है। इसी कड़ी में दिल्ली में आयोजित कांग्रेस की रैली भी पूरी तरह फ्लॉप साबित हुई, जिसमें लोगों ने कोई खास रुचि नहीं दिखाई। भाजपा वोट चुराती तो हरियाणा में कांग्रेस को इतनी सीटें कैसे मिलती।

आरआरसीएम स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी व कला उत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭कनीना

आरआरसीएम पब्लिक स्कूल में रविवार को एक दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी और कला उत्सव का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विद्यार्थियों ने अपनी वैज्ञानिक और कलात्मक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि हरियाणा शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. पीके शर्मा, विशिष्ट अतिथि राजकीय महाविद्यालय का पूर्व प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. पूर्ण प्रभा रही। चेयरमैन रोशन लाल यादव ने बताया कि इन प्रतिष्ठित शिक्षाविद्वों की उपस्थिति विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और नवाचार के लिए प्रेरित करेगी।

कनीना। कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देते विद्यार्थी व कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि। फोटो : हरिभूमि

विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों द्वारा तैयार किए गए अनेक आकर्षक मॉडल प्रदर्शित किए गए, जिनमें स्थाई ऊर्जा स्रोत, रोबोटिक्स, पर्यावरण संरक्षण और दैनिक जीवन में विज्ञान के उपयोग जैसे विषयों पर आधारित अभिनव परियोजना शामिल रही। कार्यक्रम में भौतिकी विज्ञान के प्रवक्ता सुनील कुमार, रसायन शास्त्र के प्रवक्ता मोहित कुमार खोला, जीव विज्ञान के प्रवक्ता पवन सैनी व चित्र कला के प्रवक्ता अनिल कुमार ने निर्णायक के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यातिथि प्रोफेसर डॉ. पीके शर्मा ने बताया कि यह आयोजन छात्रों को पाठ्यक्रम से हटकर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देता है।

कार्यक्रम | सभी समाज के लोगों को महापुरुषों का सम्मान करना चाहिए: सांसद

कैंची टी प्वाइंट पर महाराजा शूर सैनी की प्रतिमा लगाने के लिए हुआ भूमि पूजन

- विधायक ने कहा कि चौक न केवल क्षेत्र की पहचान बनेगा बल्कि यातायात व्यवस्था को भी सुदृढ़ करेगा

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

शहर के महाराजा शूर सैनी चौक कैंची टी प्वाइंट पर रविवार को महाराज शूर सैनी की प्रतिमा लगाने के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि महेंद्रगढ़-भिवानी सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह और विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक कंवर सिंह यादव, पूर्व शिक्षामंत्री के अनुज राजेन्द्र शर्मा, नगर पालिका चेयरमैन रमेश सैनी, नगर परिषद नारनौल की चेयरपर्सन कमलेश सैनी, नारनौल सैनी सभा प्रधान बिशन सिंह सैनी उपस्थित रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता महेंद्रगढ़ सैनी क्षत्रिय सभा प्रधान सुरेश सैनी ने की। मंच का संचालन मास्टर दिनेश सैनी ने किया। कार्यक्रम के दौरान सांसद धर्मवीर सिंह चौधरी ने कहा कि भूमि पूजन केवल एक निर्माण कार्य की शुरुआत नहीं, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास और जनता की वर्षों पुरानी मांगों को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। महाराजा शूर सैनी जैसे महापुरुषों की स्मृति में बनने वाला यह चौक सामाजिक समरसता, प्रेरणा और गौरव का प्रतीक बनेगा। सभी समाज के लोगों को महापुरुषों का सम्मान करना चाहिए। इस दौरान उन्होंने इस कार्य में खर्च होने के वाली समस्त राशि एमपी कोटे से देने की घोषणा की। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि महाराजा शूर सैनी जैसे महापुरुषों ने समाज को एकता, परिश्रम और सेवा का संदेश दिया। उनके नाम पर चौक का निर्माण नई पीढ़ी को अपनी गौरवशाली संस्कृति और इतिहास से जोड़ने का कार्य करेगा। विधायक ने कहा कि यह चौक न केवल क्षेत्र की पहचान बनेगा, बल्कि यातायात व्यवस्था को भी सुदृढ़ करेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा महापुरुषों की स्मृतियों को संजोने और विकास कार्यों को गति देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। महाराजा शूर सैनी चौक के निर्माण से क्षेत्र की पहचान मजबूत होगी। नगर पालिका चेयरमैन रमेश सैनी तथा नारनौल नगर परिषद चेयरपर्सन कमलेश सैनी ने महापुरुषों के जीवन पर प्रकाश डालते हुए सर्व समाज के लोगों को उनका सम्मान करने तथा उनसे प्रेरणा ग्रहण कर उनके दिखाए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया तथा इस कार्य में अपना पूर्ण सहयोग देने का आह्वान किया। अंत में सैनी सभा के प्रधान सुरेश सैनी ने कहा कि प्रधान बनने के बाद उनका सपना था कि सबसे पहले महेंद्रगढ़ शहर में महाराज शूर सैनी चौक बनाया जाए।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में भूमि पूजन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर मार्केट कमेटी वाइस चेयरमैन कृष्ण सैनी, ग्रीवेंस कमेटी सदस्य कमल सैनी, पार्षद अशोक सैनी, देवेंद्र उर्फ सोनू सैनी, सीमा सैनी, राजेश सैनी, एडवोकेट ललित तंवर, व्यापार मंडल प्रधान सुरेंद्र बंटी, सुंडाराम ट्रस्ट से संदीप यादव, एडवोकेट शैलेंद्र यादव, पूर्व सैनी सभा प्रधान रामचंद्र सैनी, गोविंदराम, आढ़ती ईश्वर सैनी, पूर्व उप प्रधान कैलाश सैनी, थावर सिंह सैनी, पूर्व प्राचार्य ओमप्रकाश सैनी, प्रताप शास्त्री, पूर्व पार्षद घनश्याम सैनी, रमेश सैनी, महावीर सैनी, मुकेश पेंटर, कृष्ण सैनी, मुकेश सैनी, सैनी सभा उपप्रधान माधव प्रसाद सैनी, सचिव होशियार सैनी, कोषाध्यक्ष दुष्यंत सैनी, मास्टर दिनेश सैनी, सब्जी मंडी प्रधान सूरत सैनी, रामनिवास सैनी, लक्ष्मीनारायण सैनी, संजय कुमार, विनोद कुमार, राधेश्याम सैनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

स्थानीय निवासियों व दुकानदारों में रोष, विभाग को अवगत कराने पर भी समाधान नहीं

भाड़ावास गेट के पास सड़क निर्माण कार्य की खुदाई ने तोड़ी पाइप लाइन

खुले में बह रहा हजारों लीटर पानी, कीचड़ में तब्दील हुआ मार्ग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। भाड़ावास गेट के पास बाजार में पाइप लाइन लींकेज होने से हुआ कीचड़। *फोटो : हरिभूमि*

रेवाड़ी। पाइप लाइन लींकेज होने से भरा पानी व जमा लोग। *फोटो : हरिभूमि*

पानी की एक-एक बूंद बचाने के लिए जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से गांव-गांव जागरूक अभियान चलाया जा रहा है। इसके बाद भी शहर में कई जगह पानी की पाइप लाइन लीकेज होने से हजारों लीटर पानी प्रतिदिन खुले में बह रहा है। इससे सड़क पर जलभराव से कीचड़ के हालात हो गए है। मार्ग से कई बार विभाग के कर्मचारी भी गुजरते हैं, लेकिन किसी ने भी समस्या को दूर करने का प्रयास नहीं किया। स्थानीय लोगों की ओर से शिकायत देने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है।

नगर परिषद की ओर से मेन बाजार में सीसी रोड का निर्माण कार्य किया जा रहा है। नगर परिषद की ओर से करीब 15 दिन पहले भाड़ावास गेट से आगे की सड़क के निर्माण के लिए खुदाई की गई, जिससे पानी पाइप लाइन टूट गई, जिससे हजारों लीटर पानी सड़क पर जमा हो गया। नप की ओर से पानी की टूटी पाइप लाइन को ठीक करने की बजाय सड़क का कुछ हिस्सा भी बना दिया गया।

रविवार को स्थानीय लोगों की ओर से रोष जताने पर कार्य को बंद किया गया, लेकिन पाइप लाइन को अभी तक दुरुस्त करते के कोई कदम नहीं उठाए गए। आसपास के दुकानदारों ने कहा कि वे जनस्वास्थ्य विभाग व नगर परिषद में अधिकारियों को समस्या से अवगत करा चुके है, लेकिन पानी की टूटी पाइप लाइन को ठीक नहीं किया गया है।

लंबे समय बाद बन रही मेन बाजार की सड़कें

लंबे समय के बाद शहर के बाजारों की सड़कों की दशा सुधारने का कार्य किया जा रहा है। शहरवासी व दुकानदार बाजार की जर्जर सड़कों के निर्माण को लेकर इंतजार कर रहे थे। नगर परिषद की ओर से दीपावली से पूर्व अग्रसेन चौक से भाड़ावास गेट तक के सीसी रोड बनाने का कार्य पूरा कर लिया था, जिसके बाद बाकी का कार्य करीब डेढ़ महीने से बंद पड़ा हुआ था। अब 15 दिन से भाड़ावास गेट से आगे की बाजार की सड़कों के नव निर्माण का कार्य किया जा रहा है। मुख्य बाजार की सड़कों के नव निर्माण पर 4.32 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे है। नगर परिषद की ओर से अब भाड़ावास गेट से मोती चौक व गोकल गेट होते हुए झज्जर चौक तक सीसी रोड बनाया जाएगा। इसी योजना में पुरानी सब्जी मंडी से बारा हजारी तक का भी सीसी रोड का निर्माण होगा तथा गोकल गेट से रेलवे चौक तक सीसी रोड बनाया जाएगा।

नेहरू पार्क में भी बह रहा पीने का पानी

सेक्टर-1 मार्ग स्थित नेहरू पार्क के पास करीब डेढ महीने से पीने के पानी की पाइप लाइन लींकेज है। जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से जगह का मुआयना करके गड्ढा खोदकर छोड़ दिया है। सुबह व शाम सप्लाई आने पर लींकेज पाइप लाइन से रोजाना पानी बहकर सड़क पर जमा हो रहा है। यहां तक कि नेहरू पार्क के मेन गेट के पास पानी का तालाब बना हुआ है, जिससे पार्क में आने-जाने वाले लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है, वहीं पानी की बर्बादी हो रही है, लेकिन विभाग लींकेज पाइप लाइन को ठीक नहीं कर रहा है।

खबर संक्षेप

अग्रवाल भवन में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 23 से

रेवाड़ी। पुराना कोर्ट रोड स्थित अग्रवाल भवन में 23 से 29 दिसंबर तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा का वाचन जगन्नाथ पुरी धाम से जगन्नाथ संस्कृति के प्रकांड विद्वान एवं भविष्य मालिका पुराण के रचयिता पंडित डा. काशीनाथ मिश्र की दिव्य वाणी में होगा। पंडित डा. काशीनाथ मिश्र के अनुयायी नवीन भुराड़िया ने बताया कि 23 से 29 दिसंबर तक पुराना कोर्ट रोड स्थित अग्रवाल भवन में आयोजित होने वाली कथा में प्रभु के दारू ब्रह्म स्वरूप श्री जगन्नाथ, श्री बलभद्र व माता सुभद्रा जगन्नाथ धाम से आ रहे हैं, जिनके दर्शन मात्र से ही समस्त पापों का नाश हो जाता है।

पंडित डा. काशीनाथ मिश्र।

कार्यक्रम का शुभारंभ 23 दिसंबर को प्रातः 8 बजे जगन्नाथ मंदिर बारा हजारी से कलश यात्रा के साथ होगा। कलश यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई अग्रवाल भवन पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि पंडित डा. काशीनाथ मिश्र ने कलयुग के अंतिम ग्रंथ भविष्य मालिका पुराण को 40 वर्ष के अध्ययन के बाद देश-विदेश की सभी भाषाओं में रूपांतरित करने का कार्य किया है। पंडित डा. काशीनाथ मिश्र भागवत कथा के साथ भविष्य मालिका पुराण को लेकर भक्तों को अपनी दिव्य वाणी में प्रवचन करेंगे। कार्यक्रम के दौरान विश्व शांति के लिए प्रतिदिन वैष्णव यज्ञ का आयोजन भी किया जाएगा।

शिविर में 1540 लोगों ने करवाई नेत्र जांच

रेवाड़ी। राष्ट्रीय नवचेतना मंच कार्यालय खोल हाउस में निजी अस्पताल की ओर से रविवार को निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ वैश्य समाज के प्रधान अशोक बुवानीवाला व प्रियंका यादव जिला अधिकारी जीएसटी विभाग ने किया। रीति आई केयर के प्रबंधक विजय लांबा ने बताया कि शिविर में करीब 1540 मरीजों ने आंखों की जांच कराई, जिसमें से 200 मरीजों की मोतियाबिंद सर्जरी की जाएगी। इस मौके पर अशोक बुवानीवाला ने कहा कि इस प्रकार के नेत्र जांच शिविर आमजन की सुविधा के लिए अत्यंत उपयोगी हैं और इन्हें समय-समय पर आयोजित किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय नवचेतना मंच के राष्ट्रीय संयोजक विजय सोमाणी ने कहा कि मौजूदा समय में प्रदूषण और मोबाइल के अत्यधिक प्रयोग के कारण आंखों से संबंधित समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में इस तरह के स्वास्थ्य शिविर समाज के लिए बेहद जरूरी हैं। शिविर में मरीजों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। इस अवसर पर प्रवीण सैनी, प्रो. अजय सपरा, स्वामी सुखानंद, सरपंच विजय राणा, गीता यादव, सत्येंद्र शास्त्री, अनिल मल्होत्रा, डा. मधुसूदन, दीपा भारद्वाज, बाला देवी, योगेंद्र आचार्य, देवराज यादव, डा. जितेंद्र शर्मा व अधिवक्ता परिवर्तन सोमाणी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

फ्री कैंप में 131 मरीजों ने कराई स्वास्थ्य जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में 131 मरीजों को फ्री ओपीडी सेवाएं व दवाईयां प्रदान की गई। शिविर में डा. एस पी यादव ने मेडिसन, डा. पार्थ यादव ने हड्डी रोग, डा. सुनील यादव ने सर्जरी, डा. गौतम यादव ने नेत्र रोग, डा. योगेन्द्र यादव ने चर्म रोग व डा. सुमन यादव ने स्त्री रोग के मरीजों की स्वास्थ्य जांच की। इनके अलावा लेफ्टिनेंट पूर्ण सिंह यादव फिजियोथेरेपी के लिए उपलब्ध थे। कैंप के आयोजन में प्रधान रामबीर यादव, जसवंत सिंह, अमर सिंह, प्रो. सतीया यादव व अशोक ने सहयोग दिया।

ग्राहक जागरण पखवाड़े का शुभारंभ, किसानों को दी आधुनिक खेती से संबंधित जानकारी

रेवाड़ी। रविवार को अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जिला इकाई की ओर से गांव मोहदीनपुर में ग्राहक जागरूकता पखवाड़े का शुभारंभ रोहतास सोनी के फार्म पर किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत एवं किसान क्लब के संयुक्त तत्वावधान में किसान जागरूकता कार्यक्रम के रूप में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महेश यादव चेयरमैन मार्केट कमेटी कोसली उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। मुख्य वक्ता जिला हॉर्टिकल्चर अधिकारी डा. मंदीप यादव ने किसानों को बागवानी, सब्जी उत्पादन एवं आधुनिक खेती से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही किसानों की समस्याओं पर चर्चा कर उनके समाधान के उपाय भी बताए। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रांत अध्यक्ष डा. आरबी यादव ने संगठन के लक्ष्य एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सभी ग्राहकों को मिलकर जन-जागरूकता के माध्यम से शोषण रहित समाज का निर्माण करना होगा। उन्होंने उपभोक्ताओं को वस्तुएं खरीदते समय बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों की जानकारी भी दी।

स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट में 10755 विद्यार्थियों ने लिया भाग

रेवाड़ी। मेधावी विद्यार्थियों के लिए राठ इंटरनेशनल ग्रुप ऑफ स्कूल की ओर से रविवार को स्कॉलरशिप कम ऐडमिशन टेस्ट परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें 10755 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यालय के चेयरमैन बलवान सिंह यादव ने कहा कि कोई भी मेधावी विद्यार्थी अच्छी शिक्षा और अवसर से वंचित नहीं रहे, इसी उद्देश्य से स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया गया, जिसके आधार पर बच्चों को 100 प्रतिशत तक ट्यूशन फीस में स्कॉलरशिप दी जाएगी। स्कूल ग्रुप के सेकेट्री नितेश यादव व डायरेक्टर शिवानी ने परीक्षा के सफल आयोजन के लिए सभी अभिभावकों, प्रतिभागियों व शिक्षकों का आभार व्यक्त किया।

शराब, अवैध अहाता, नशा तस्करी व सट्टा खाईवाली में संलिप्त आरोपी किए काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

जिला पुलिस ने ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन के 13वें दिन जिले में विभिन्न स्थानों को चिंहित कर सर्च अभियान चलाया। अभियान के तहत पुलिस की विभिन्न टीमों ने संवेदनशील, भीड़भाड़ वाले तथा अपराध प्रभावित क्षेत्रों में चैकिंग की। पुलिस ने जुआ-सट्टा, नशा तस्करी, अवैध संचालित अहाते व अवैध रूप से शराब बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सफलता हासिल की।

अभियान के दौरान सीआईए रेवाड़ी ने 295 ग्राम नशीला पदार्थ गांजा के साथ आरोपी हितेश निवासी मोहल्ला नई आबादी हाल किरायेदार मधु विहार को गिरफ्तार किया। रामपुरा थाना पुलिस ने सट्टा खाईवाली करते हुए आरोपी सोमपाल निवासी मौहल्ला कुतुबपुर को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से 5150 रुपये बरामद किए।

जरूरतमंदों की मदद को आगे आएं संस्थाएं: एसपी

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने जिले के सभी गांवों के सरपंचों, पुलिस मित्रों, सामाजिक प्रतिनिधियों और जागरूक नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि समाजसेवी संस्थाएं जरूरतमंदों को गर्म कपड़े, कंबल, भोजन व पानी की व्यवस्था करने में प्रशासन का सहयोग करे।

रैली के लिए जिले से कांग्रेसी हुए रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। मसानी बैराज से दिल्ली रैली के लिए रवाना होते कार्यकर्ता। फोटो :हरिभूमि

कांग्रेस पार्टी की दिल्ली में आयोजित वोट चोर गद्दी छोड़ रैली में शामिल होने के लिए पूर्व मंत्री जगदीश यादव की अगुवाई में रविवार को सैकड़ों कार्यकर्ता रवाना हुए। पूर्व मंत्री जगदीश यादव ने बेरली पंप से सैकड़ों गाड़ियों के काफिले को दिल्ली के लिए रवाना किया। कोसली विधानसभा क्षेत्र में रैली के प्रति लोगों में उत्साह देखा गया। इस मौके पर पूर्व मंत्री ने कहा कि यह रैली लोकतंत्र, संविधान और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए आयोजित की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा हालात में वोट की पवित्रता पर सवाल खड़े हो रहे हैं, जिसे कांग्रेस किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। जगदीश यादव ने कहा कि कांग्रेस हमेशा जनता की आवाज बनी है और आगे भी अन्याय के खिलाफ सड़क से संसद तक संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने कांग्रेसी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे लोकतंत्र बचाने और जनता की आवाज को मजबूती से रखने का संदेश लेकर आगे बढ़े।

कांग्रेस पार्टी की दिल्ली में आयोजित रैली में शामिल होने के लिए मसानी बैराज से भी सैकड़ों गाड़ियों का काफिला पूर्व मंत्री डा. एमएल रंगा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र छाबड़ा, वरिष्ठ नेता दिनेश राजेंद्र ठेकेदार व डा. प्रणव रंगा के नेतृत्व में दिल्ली के लिए रवाना हुआ।

इस दौरान नेताओं ने कहा कि यह रैली लोकतंत्र, संविधान और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए आयोजित की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा हालात में वोट की पवित्रता पर सवाल खड़े हो रहे हैं, जिसे कांग्रेस किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी।

नव प्रेरणा संस्था का वार्षिक समारोह सम्पन्न दिव्यांग बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

रेवाड़ी। नव प्रेरणा संस्था की ओर से गणेशी लाल गोयल धर्मशाला सेक्टर-3 में 26वें वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में समाजसेवी व अध्यक्ष पब्लिक एजुकेशन बोर्ड अशोक सोमानी ने शिरकत की। उन्होंने कहा दिव्यांग बच्चे समाज का अभिन्न अंग है, इन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए तथा आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्यरत संस्था बधाई की पात्र है। इस अवसर पर लतेश गोयल, ओडी यादव, विकास यादव, प्रीति व करुणा यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। दिव्यांग बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर सभी को मंत्रमुग्ध किया। मासूम व निधि ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की तथा उपेंद्र, निलेश, मनीष, कुणाल, आशीष, कार्तिक व अमित ने देशभक्ति गीतों पर नृत्य किया। मासूम व कार्तिक ने शिव व काली नृत्य पेश किया गणेश। इनके अलावा प्रिंस, धीरज, निहारिका, रूपेश, सौरव, ललित व वैभव ने भी डांस की मनमोहक प्रस्तुति दी। संस्था के फाउंडर मेंबर नरेंद्र बत्रा ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। शिक्षिका प्रीति ने बच्चों को प्रोत्साहित किया।

नवनियुक्त वाइस चेयरमैन का किया अभिनंदन

रेवाड़ी। रविवार को महावर वैश्य युवा समिति की ओर से मार्केट कमेटी के नवनियुक्त वाइस चेयरमैन नवल किशोर गुप्ता और सदस्य विष्णु गुप्ता का अभिनंदन किया गया। समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को फूलों का गुलदस्ता व शॉल भेंटकर बधाई दी। इस मौके पर महावर वैश्य युवा समिति के प्रधान रिंकेश गुप्ता, उपप्रधान राजेश गुप्ता, श्याम गुप्ता, महामंत्री अमर बाबू, सचिव सचिन गुप्ता, मीडिया प्रभारी दिव्यांश गुप्ता व सदस्य हितेश गुप्ता मौजूद थे।

जिला स्तरीय कमेटी ने किया किसानों के कृषि यंत्रों का भौतिक सत्यापन

रेवाड़ी। आरकेवीवाई स्कीम के फसल अवशेष प्रबंधन घटक के तहत जिला स्तरीय कमेटी की ओर से किसानों के कृषि यंत्रों का भौतिक सत्यापन किया गया। सहायक कृषि अभियंता इंजीनियर दिनेश शर्मा ने बताया कि कृषि एंव किसान कल्याण विभाग की ओर से स्कीम के तहत फसल अवशेष प्रबंधन के लिए किसानों को कृषि यंत्रों पर 50 प्रतिशत तक अनुदान उपलब्ध कराने के लिए 20 अगस्त तक विभाग के पोर्टल एग्रीहरियाणा.जीओवी.इन पर ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे। निर्धारित तिथि तक कृषि यंत्र खरीदकर पोर्टल पर बिल अपलोड करने वाले चयनित किसानों के कृषि यंत्र सुपर सीडर का 12 दिसंबर को व रीपर बाईन्डर-क्रॉप रीपर मशीन का रविवार को अनाज मंडी में जिला उपायुक्त की ओर से गठित जिला स्तरीय कमेटी के सदस्यों ने भौतिक सत्यापन किया। कमेटी में सहायक कृषि अभियंता इंजी. दिनेश शर्मा, उत्पाद एंव कराधान अधिकारी नरेश चौधरी, वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र रामपुरा डा. विश्वजीत, सहायक पौधा संरक्षण अधिकारी, डा. कुरडाराम, इंजी. सुनील कुमार कृषि विकास अधिकारी कृषि यंत्र व कनिष्ठ अभियंता जोगेन्द्र पाल शामिल थे। इंजी. दिनेश शर्मा ने बताया कि सुपर सीडर पर कीमत का 50 प्रतिशत या अधिकतम 105000 रुपये तक, स्वचालित रीपर बाईन्डर पर 250000 रुपये तक व ट्रैक्टर चालित क्रॉप रीपर पर 37500 रुपये तक अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा।

राजनीति

मंत्री पद संभालने के बाद आराम की अपेक्षा काम पर जोर, दक्षिणी हरियाणा की राजनीति में खुद को बना रही मजबूत

पिता के किले में नहीं लगने देंगी सेंध, 'कमजोरी' दूर करने पर जोर, समूचे अहीरवाल पर आरती का फोकस

- मंत्री पद संभालने के बाद आराम की अपेक्षा काम पर जोर, दक्षिणी हरियाणा की राजनीति में खुद को बना रही मजबूत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

इंटरनेशनल लेवल पर देश व इलाके का नाम गौरवान्वित कर चुकी शूटर चैंपनियन के निशाने पर अब अपने पिता का राजनीतिक किला है, जिसमें वह किसी 'गैर' को सेंध लगाने का कोई मौका देने को तैयार नहीं हैं। चुनाव जीतने के बाद इलाके के लोगों से दूरी के जो आरोप पूर्व में पिता राव इंद्रजीत सिंह पर लगते रहे हैं, उसी कमी को दूर करने के लिए आरती राव लगातार अपने हलके के साथ-साथ पूरे दक्षिणी हरियाणा में कार्यकर्ताओं के बीच नियमित उपस्थिति दर्ज करा रही हैं।

प्रदेश की राजनीति में धमाकेदार एंट्री करने में आरती राव को एक दशक का इंतजार करना पड़ा। राव इंद्रजीत सिंह अपनी राजनीतिक उत्तराधिकार के रूप में आरती राव को वर्ष 2014 में ही विधानसभा चुनाव लड़वाने की तैयारी में थे, परंतु उनके खुद लोकसभा चुनाव लड़ने के कारण आरती को भाजपा की टिकट दिलाने का रास्ता बंद हो गया था। ठीक ऐसा ही वर्ष 2019 के चुनावों के दौरान हुआ। पिछले विधानसभा चुनावों में बदलते राजनीतिक हालात में भाजपा के लिए राव को लोकसभा चुनाव लगाने के बाद आरती को भी विधानसभा का टिकट देना मजबूरी बन गया था। इसका कारण राव इंद्रजीत सिंह का समूचे अहीरवाल में मजबूत जनाधार था। राव की नाराजगी इन चुनावों में अहीरवाल में भाजपा का खेल खराब कर सकती थी। बेटी के साथ-साथ राव अहीरवाल की अधिकांश सीटों पर अपने चहेतों को टिकट दिलाने व उन्हें विधानसभा में भिजवाने में पूरी तरह

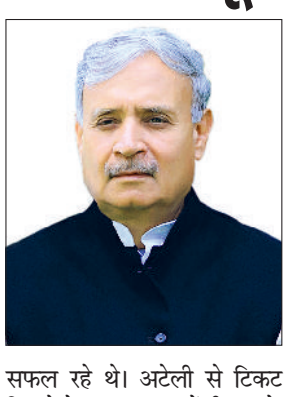

सफल रहे थे। अटेली से टिकट मिलने के बाद भाजपा में ही राव के विरोधी खेमे से जुड़े नेताओं ने आरती को चुनाव हराने के लिए एकजुट होकर पूरी ताकत मैदान में लगा दी थी, परंतु समर्थकों की मेहनत ने राव विरोधियों को अपनी रणनीति में कामयाब नहीं होने दिया था। चुनाव जीतने के बाद आरती राव को कैबिनेट में महत्वपूर्ण स्थान मिलना भी विरोधियों के हौसलें पस्त करने वाला साबित हो गया।

एक पारी और खेलने के मूड में राव

आरती के मोर्चा संभालने के बाद यह लगने लगा था कि 75 पार का चुके राव आगामी चुनावों तक खुद को सक्रिय राजनीति से अलग कर सकते हैं, परंतु उन्होंने खुद ही स्पष्ट कर दिया है कि अभी वह एक पारी खेलने के मूड में हैं। पूरी तरह फिट नजर आने वाले राव ने दो दिन पूर्व नारनौल में आयोजित कार्यक्रम में विरोधियों का भ्रम दूर करते हुए अपने समर्थकों में नए रक्त का संचार भी कर दिया। उन्होंने कहा कि जब इस उम्र में पीएम मोदी सन्यास नहीं ले रहे, तो उन्हें भी रिटायर होने की जरूरत नहीं है। अगर किसी कारण से वह आगामी चुनावों में रिटायर होने की घोषणा भी करते हैं, तो उनके किले को संभालने के लिए आरती अपनी पैठ मजबूत कर चुकी होंगी।

मंत्री बनने के बाद बढ़ाई सक्रियता

राजनीति में बड़ा मुकाम हासिल कर चुके राव इंद्रजीत सिंह पर अक्सर उनके विरोधी चुनाव जीतने के बाद कार्यकर्ताओं से दूरी बनाए रखने के आरोप लगाते रहे हैं। आरती इसी 'कमजोरी' को दूर करने की दिशा में पसीना बहा रही हैं। मंत्री बनने के बाद उनकी एक ओर जहां दिल्ली से दूरी बढ़ गई है, वहीं दूसरी ओर आरती की दौड़ चंडीगढ़ से चलकर नारनौल, अटेली के रास्ते रेवाड़ी से गुरूग्राम तक बढ़ गई है। उन्होंने गुरूग्राम से लेकर नारनौल तक स्वास्थ्य सेवाओं को विस्तार देने के साथ-साथ इलाके के सरकारी अस्पतालों का कायाकल्प कराने पर भी पूरा जोर दिया हुआ है। इलाके की स्वास्थ्य सेवाओं में बेहतर बदलाव नजर आने लगे हैं।